सीमा पार प्रेषण हेतु UPU द्वारा UPI का आकलन

चर्चा में क्यों?

यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (UPU) ने वैश्विक डाक नेटवर्क का उपयोग करकेसीमा पार प्रेषण के साथ यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) के एकीकरण का मूल्यांकन करने की योजना की घोषणा की है।

इस मूल्यांकन का उद्देश्य कुशल और सुरक्षित रूप से अंतर्राष्ट्रीय धन हस्तांतरण की सुविधा में UPI की क्षमता का पता लगाना है।

UPI को UPU के साथ एकीकृत करने के लाभ:

UPI सुरक्षित, सुविधाजनक और वास्तविक समय पर भुगतान प्रदान करता है जो इसे सीमा पार प्रेषण के लिये एक आशाजनक मंच बनाता है। व्यापक पहुँच और बुनियादी ढाँचे वाले वैश्विक डाक नेटवर्क का लाभ उठाकर, UPI-सक्षम प्रेषण की पहुँच का और विस्तार हो सकता है।
डाक चैनलों के साथ UPI का एकीकरण नागरिकों को एकविश्वसनीय और सुलभ प्रेषण समाधान प्रदान कर सकता है, विशेष रूप सेदूरदराज़ के क्षेत्रों में, जहाँ पारंपरिक बैंकिंग सेवाएँ सीमित होती हैं।
यह पहल वैश्विक स्तर पर कुशल और समावेशी डाक सेवाओं को बढ़ावा देने के UPU के लक्ष्य के अनुरूप है।

यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (UPU):

परिचय:
UPU संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिये डाक क्षेत्र का प्राथमिक मंच है।
यह दूसरा सबसे पुराना अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।
स्थापना एवं संरचना:
इसकी स्थापना वर्ष 1874 में बर्न की संधि के माध्यम से की गई थी।
इसका मुख्यालय बर्न, स्विट्ज़रलैंड में स्थित है।
इस संगठन में चार निकाय शामिल हैं: कॉन्ग्रेस, प्रशासन परिषद (CA), पोस्टल ऑपरेशंस काउंसिल (POC) और अंतर्राष्ट्रीय
ब्यूरो (IB)।
यह टेलीमैटिक्स और एक्सप्रेस मेल सेवा (EMS) संबंधी सहकारी समितियों की भी देख-रेख करता है।
सदस्यता:

संयुक्त राष्ट्र का कोई भी सदस्य देश UPU का सदस्य बन सकता है।
संयुक्त राष्ट्र के गैर-सदस्य देश कम-से-कम दो-तिहाई सदस्य देशों के अनुमोदन पर UPU में शामिल हो सकते हैं।
इसमें अब कुल सदस्य देशों की संख्या 192 है।
भारत वर्ष 1876 में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन में शामिल हुआ।
भूमिका और कार्य:
UPU, सदस्य देशों और वैश्विक डाक प्रणाली के बीच डाक नीतियों का समन्वय करता है।
संघ अंतर्राष्ट्रीय मेल एक्सचेंजों के लिये नियम निर्धारित करता है और मेल, पार्सल तथा वित्तीय सेवाओं की मात्रा में वृद्धि
को प्रोत्साहित करने हेतु सिफारिशें करता है।
इसका उद्देश्य ग्राहकों के लिये सेवा की गुणवत्ता में सुधार करना और अंतर्राष्ट्रीय डाक संचालन में दक्षता को बढ़ावा देना है।

UPI:

UPI भारत की मोबाइल-आधारित तेज़ भुगतान प्रणाली है, जो ग्राहक द्वारा बनाए गए वर्चुअल पेमेंट एड्रेस (VPA) का उपयोग करके ग्राहकों को
चौबीस घंटे में कभी भी तुरंत भुगतान करने की सुविधा देती है।
VPA एक विशिष्ट पहचानकर्त्ता है जो डिजिटल भुगतान प्रणाली के माध्यम से धन हस्तांतरण की सुविधा के लिये किसी व्यक्ति को
सौंपा गया है।
यह एक उपयोगकर्ता-निर्मित पहचानकर्त्ता है जिसका उपयोग भुगतान करते समय संवेदनशील बैंक खाते का विवरण प्रदान करने के स्थान पर किया जा सकता है।

यहप्रेषकद्वाराबैंकखाताविवरणसाझाकरने के जोखिमकोसमाप्तकरताहै। UPI व्यक्ति-से-व्यक्ति (P2P) औरव्यक्ति-से-व्यापारी (P2M) दोनों भुगतानों का समर्थन करता है तथा यह उपयोगकर्त्ता को पैसे भेजने या प्राप्त करने में भी सक्षम बनाता है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रिलिम्स:

प्रश्न. डिजिटल भुगतान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2018)

1. BHIM एप उपयोग करने वालों के लिये यह एप UPI सक्षम बैंक खाते से किसी को धन अंतरण करना संभव बनाता है।
2. जहाँ एक चिप-पिन डेबिट कार्ड में प्रमाणीकरण के चार घटक होते हैं, BHIM एप में प्रमाणीकरण के सिर्फ दो घटक होते हैं।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

प्रश्न. एकीकृत भुगतान अंतरापृष्ठ (यूनिफाइड पेमेंट्सइन्टरफेस/UPI) कोकार्यान्वित करने से निम्नलिखित में से किसके होने कीसर्वाधिक संभाव्यता है? (2017)

(a) ऑनलाइन भुगतानों के लिये मोबाइल वालेट आवश्यक नहीं होंगे।
(b) लगभग दो दशकों में पूरी तरह भौतिक मुद्रा का स्थान डिजिटल मुद्रा ले लेगी।
(c) FDI अंतर्वाह में भारी वृद्धि होगी।
(d) निर्धन व्यक्तियों को उपदानों (सब्सिडीज़) का प्रत्यक्ष अंतरण (डाइरेक्ट ट्रांसफर) बहुत प्रभावकारी हो जाएगा।

उत्तर: (a)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/upu-to-assess-upi-for-cross-border-remittances